सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 177 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 2 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा सम्बन्ध है।
–भगवान गौतम बुद्ध

लोकतंत्र को बहाल करने की आड़ में... 7 | जातिगत जनगणना की मंजूरी का... 3 | भाजपा के झूठे कारनामों का पर्दाफाश... 2

नहीं थम रही हरियाणा में हिंसा, अन्य राज्यों पर असर

» एक और मौत, नूंह में तनाव बरकरार
» तीस एफआईआर, यूपी-दिल्ली-राजस्थान में भी अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुरुग्राम। नूंह में भड़की हिंसा की आग हरियाणा के कई शहरों में पहुंच गई है। हिंसा में छह लोगों की मौत हो गई है। नूंह में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। आरोपियों की धरपकड़ व शांति के लिए अर्धसैनिक बलों की 20 व पुलिस बल की 20 कंपनियां तैनात की गई हैं। नूंह में कर्फ्यू जारी है। आसपास के शहरों में धारा 144 लगाई गई है। हरियाणा के पलवल, सोहाना, मानेसर और पटौदी में इंटरनेट बंद है। विश्व हिंदू परिषद ने हिंसा के विरोध में आज देशव्यापी प्रदर्शन भी बुलाया है। हरियाणा में हिंसा को देखते हुए यूपी के 11 जिलों में अलर्ट किया गया है। मामले में डेढ़ हजार से अधिक लोगों के खिलाफ तीस एफआईआर दर्ज की हैं।

नूंह में हुए उपद्रव के बाद विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल कार्यकर्ता बुधवार सुबह खुर्जा में जेवर अड्डे पर धरने पर बैठ गए। वहीं विरोध प्रदर्शन की सूचना पर एसपी देहात बजरंगबली चौरसिया समेत चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। कार्यकर्ताओं ने हिंदू संगठनों को एकजुट करने और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी की। साथ ही सरकार से पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिलाने की मांग की। संगठन के प्रदर्शन से खुर्जा के गांधी रोड, जंक्शन रोड और कचहरी रोड पर यातायात प्रभावित रहा।

होमगार्ड गुरसेवक का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

नूंह में उपद्रवियों के हमले में जान गंवाने वाले फतेहाबाद के टोहाना के गांव फतेहपुरी निवासी 32 वर्षीय होमगार्ड गुरसेवक सिंह का बुधवार को गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। गुरसेवक के 5 वर्षीय बेटे एकम सिंह ने अपने पिता को अंतिम विदाई देते हुए सेल्यूट किया तो हर कोई भावुक हो गया। अंतिम संस्कार में डीएसपी शमशेर सिंह सहित काफी पुलिसकर्मियों, ग्रामीणों व राजनेताओं ने भाग लेते हुए गुरसेवक सिंह को श्रद्धांजलि दी। ग्रामीणों ने शहीद गुरसेवक सिंह के नारे भी लगाए।

किसी को बख्शा नहीं जाएगा : सीएम खट्टर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि हिंसा में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है और 116 लोगों को गिरफ्तार किया गया। मरने वालों में 2 होमगार्ड और 4 आम नागरिक शामिल हैं। राज्य में स्थिति को कंट्रोल करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है और पुलिस के साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस की 30 और केंद्रीय सुरक्षा बल की 20 कंपनियों को अलग-अलग जिलों में तैनात किया गया है। केंद्रीय सुरक्षा बल की 20 कंपनी में से 3 पलवल, 2 गुरुग्राम, 1 फरीदाबाद और 14 कंपनी नूंह में तैनात की गई हैं। इसके अलावा, गिरफ्तार किए गए 116 लोगों की बुधवार को रिमांड ली जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हिंसा में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए गिरफ्तार किए गए लोगों की रिमांड ली जाएगी। खट्टर ने लोगों को विश्वास दिलाया कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा एजेंसियां और हरियाणा पुलिस अलर्ट है और प्रभावित इलाकों में स्थिति कंट्रोल करने के प्रयास किए जा रहे हैं. अब स्थिति सामान्य है. खट्टर ने लोगों से यह भी अपील की कि शांति बनाए रखें।

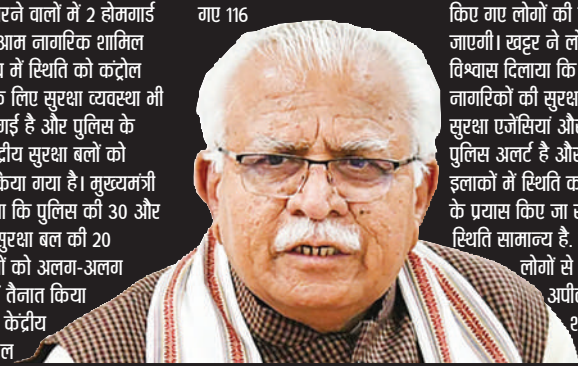

ये सरकार की साजिश : सुरजेवाला

सुरजेवाला ने बीजेपी और जेजेपी सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि यह हिंसा राज्य सरकार की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने सवाल किया और कहा, इंटेलिजेंस इनपुट खट्टर सरकार के पास था, खट्टर सरकार ने कार्रवाई क्यों नहीं की? सरकार साजिश के तहत हाथ पर हाथ धरकर बैठी रही? उन्होंने राज्य सरकार से यह भी पूछा कि नूंह के एसपी को उसी वक्त छुट्टी पर क्यों भेजा गया. सुरजेवाला ने कहा कि मोनू मानेसर हत्या का आरोपी है, उसने भड़काऊ पोस्ट किया, सरकार ने उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया और अनिल विज उसे क्लीनचिट देते फिर रहे हैं।

सख्ती से निपटे सरकार : ज्ञानचंद गुप्ता

हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने नूंह हिंसा पर सख्त टिप्पणी की है। गुप्ता ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके लिए चाहे कोई भी जिम्मेदार हो, चाहे वह मामन खान हो या फिर मोनू मानेसर, सरकार को घटना के लिए जिम्मेदार लोगों से सख्ती से निपटना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच होगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। जो भी इसके लिए जिम्मेदार है, उसको सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए।

अफवाहों पर ध्यान न दें : पुलिस

गुरुग्राम के एसीपी क्राइम वरुण दहिया ने कहा कि सभी स्कूल, कॉलेज और कार्यस्थल सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। यातायात की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इंटरनेट भी चालू है। मैं सभी से अपील करता हूं कि सोशल मीडिया पर अफवाहों पर ध्यान न दें। अगर कोई कुछ जानकारी देना चाहता है तो वह हेल्पलाइन नंबर 112 पर संपर्क कर सकता है।

मणिपुर व हरियाणा हिंसा पर संसद फिर स्थगित

» लोकसभा-राज्यसभा में काम ठप कार्यवाही कल शुरू होगी
» जया बच्चन पर गुस्सा हो गए धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में मणिपुर के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा आज भी जारी रहा। लोकसभा में तो जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई विपक्ष शोरशराबा करने लगा। कुछ देर बाद ही आसन ने सदन की कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दूसरे प्रहर में भी सदन मात्र 2–3 मिनट ही चल पाई, विपक्ष के हंगामे की वजह से लोक सभा अध्यक्ष सदन से उठ कर चले गए उसके बाद कार्यवाही 3 अगस्त प्रातः 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं राज्यसभा में भी कुछ देर

हंगामा होने के बाद प्रश्नकाल की कार्यवाही चल पाई।

राज्यसभा में उप सभापति ने विपक्ष से कहा कि इस तरह की हंगामेदार रवैये से छवि अच्छी नहीं बन रही है। रास में विपक्ष मणिपुर पर बहस की मांग कर रहा था। इस दौरान सभापति जगदीप धनखड़ विपक्षी सदस्यों को समझाने की कोशिश की। सभापति ने कहा कि मैडम जया बच्चन, मैडम जया बच्चन, मैडम जया बच्चन..कहते हुए कहा कि मुझे कुछ माननीय सदस्यों का गैरजिम्मेदार व्यवहार के लिए नाम तक लेना होगा।

मंत्रियों के साथ पीएम मोदी ने की बैठक

संसद की कार्यवाही के दौरान आगे की रणनीति के लिए पीएम मोदी टॉप मंत्रियों के साथ बैठक कर रहे हैं। बैठक में राजनाथ सिंह, अमित शाह, प्रह्लाद जोशी, पीयूष गोयल, अनुराग ठाकुर, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण शामिल हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष के सांसद चर्चा करने के लिए नहीं आ रहे, वे चर्चा से भाग रहे हैं। उनको जनता, देश से जुड़े मुद्दों को संसद में उठाने के लिए चुना गया, लेकिन वे (विपक्ष) शायद सदन को गंभीरता से नहीं लेते। वे मणिपुर तो जा सकते लेकिन पश्चिम बंगाल, राजस्थान नहीं जाएंगे।

भाजपा के झूठे कारनामों का पर्दाफाश करेगी सपा : अखिलेश

» दिये निर्देश, हिंदू-मुस्लिम मुद्दों पर बोलने से बचें पार्टी प्रवक्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के झूठ को पर्दाफाश कर उसके कारनामों से जनता को परिचित कराएं। यूपी के पूर्व सीएम ने कहा कि कहा कि भाजपा झूठी खबरें प्रचारित करने में माहिर है। उन्होंने पार्टी के प्रवक्ता है कि हिंदू व मुस्लिमों से जुड़े मुद्दों पर बोलने से बचें। यह बातें मंगलवार को प्रदेश कार्यालय पर मीडिया सेल की बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि यूपी में भाजपा ने बुल्डोजर से जंगलराज कायम कर दिया है।

समाजवादी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक एक बार फिर पहुंचाना जरूरी है। महिलाओं का उत्पीड़न और हिरासत में मौतें भाजपा सरकार के माथे पर कलंक है। बैठक में प्रवक्ताओं ने कहा कि समाजवादी सरकार को युवाओं के भविष्य की चिंता थी, जबकि भाजपा का चरित्र जनविरोधी है। इस मौके पर सांसद डिंपल यादव भी मौजूद रहीं।

सपा ने अपने नेताओं को लोकसभा चुनाव में जीजान से जुटने का आह्वान किया है, पर कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरों पर विराम लगा हुआ है। यही नहीं, अभी तक पार्टी की प्रदेश कमेटी भी जारी नहीं हो सकी है। इसको लेकर कार्यकर्ताओं के बीच से कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं को भाजपा को प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर हराने का लक्ष्य दिया है। इसके तहत जून में गोला गोकर्णनाथ और नैमिषारण्य में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजन किए गए थे। इन कार्यक्रमों में सपा अध्यक्ष के अलावा प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव व महासचिव शिवपाल सिंह यादव समेत कई प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया था। तब सपा नेतृत्व ने घोषणा की थी कि हर जिले में इस तरह के आयोजन किए जाएंगे। कुछ नेताओं ने ब्योरा भी दिया था कि कब और कहां प्रशिक्षण शिविर लगाए जाएंगे। कुछ समय बाद कहा गया कि गर्मी बहुत ज्यादा है, इसलिए गर्मी कम होने पर शिविरों का आयोजन होगा।

प्रशिक्षण शिविर हर जिले में

सपा प्रवक्ता व पूर्व एमएलसी उदयवीर ने कहा कि किसी एक जिले में प्रशिक्षण शिविर होने पर अन्य जिलों के कार्यकर्ता भी वहां बड़ी संख्या में पहुंच जाते हैं। इससे शिविर का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है। इसलिए प्रशिक्षण शिविरों की सूचना सीधे जिला कमेटी को भेजकर इनका आयोजन करने पर विचार किया जा रहा है।

पटना हाईकोर्ट का फैसला, सामाजिक न्याय की जीत

उधर, अखिलेश ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि धर्म जीवन के साथ मानवीय व्यवहार, सामाजिक सहनशीलता, व्यक्तिगत सकारात्मक उत्थान और चतुर्दिक सह अस्तित्व सिखाने का मार्ग है। यह लिबास से नहीं विचार-आचार से प्रकट होना चाहिए। धर्म धमकी नहीं देता। उन्होंने हरियाणा के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। दूसरी तरफ, उन्होंने जातिगत सर्वेक्षण पर रोक हटने को सामाजिक न्याय की जीत बताया। कहा कि जातीय जनगणना से ही सामाजिक न्याय का सच्चा रास्ता साबित होगा। हरियाणा में हिंसा पर कहा कि लोग किसी भी राजनीतिक साजिश और अफवाहों से सजग-सतर्क रहते हुए भाईचारा बनाए रखें। देश को हिंसा में धकेलकर राजनीतिक लाभ उठाने वालों के मंसूबे अमन-पसंद लोग कभी कामयाब नहीं होने देंगे।

सांप्रदायिक हिंसा में एक दिन भाजपा भी जलेगी : लालू

» जाति आधारित जनगणना अच्छा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भाजपा पर निशना साधते हुए लालू प्रसाद ने कहा कि देश में सांप्रदायिक हिंसा की वारदातें भाजपा की वजह से हो रही है। संप्रदायिकता बढ़ जाने के सवाल पर लालू प्रसाद ने कहा कि यह सब भाजपा करवा रही हैं। इसमें एक दिन भाजपा जलेगी। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि जाति आधारित जनगणना का आज जो फैसला हुआ है वह स्वागत योग्य है। यह सिर्फ फैसला नहीं है। बल्कि गरीबों के पक्ष में फैसला है। लालू प्रसाद यादव ने कहा कि जातियों का सर्वेक्षण होने के बाद उस आधार पर सरकार योजना बनाएगी। लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि इसके लिए सीएम नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को धन्यवाद देता हूं।

वहीं लालू प्रसाद के छोटे बेटे और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता के लिए यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि हम कास्ट सर्वे करवा रहें हैं। 80 फीसदी से ज्यादा काम हो चुका है। कुछ लोग इसके खिलाफ में थे। आज फैसला आया है। हर जाति के लिए योजनाएं बनायेगे। जाति आधारित गणना जातियों की गिनती नहीं है बल्कि लोगों की आर्थिक स्थिति जानने के लिए सर्वे है। रिक्शा चलाने वाले, भीख मांगने वाले जैसे गरीबों के लिए योजनाएं बनाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमलोग ने इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। राज्य सरकार कास्ट सेंसस नहीं करवा सकेती थी इसलिए हम लोग कास्ट सर्वे करा रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि जातीय जनगणना देश में होनी चाहिए ताकि लोगों की सही संख्या पता चले। महागठबंधन सरकार निर्णय पर हाई कोर्ट ने मुहर लगाई है। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि इसके लालू प्रसाद यादव ने संघर्ष किया है।

पीएम मोदी भी नहीं जुटा पाए राजस्थान में भीड़ : लोकेश

» कांग्रेस ने भाजपा के महा घेराव कार्यक्रम को बताय फ्लॉप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। भाजपा के महा घेराव कार्यक्रम को लेकर सीएम गहलोत के विशेषाधिकारी लोकेश शर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया दी। लोकेश शर्मा ने ट्वीट कर बीजेपी पार्टी के राजधानी जयपुर स्थित शासन सचिवालय के घेराव कार्यक्रम को असफल बताते हुए कार्यक्रम के दौरान खाली कुर्सियों की तस्वीर भी ट्विटर पर साझा की।

लोकेश शर्मा ने अपने ट्वीट में लिखा कि मिस्ड कॉल से विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का दम्भ भरने वाली बीजेपी का प्रदेश में इतना बुरा हाल हो गया है कि राजस्थान भाजपा द्वारा किया गया महा घेराव प्रदर्शन पूरी तरह से असफल रहा।

भाजपा व सपा कर रहीं साजिशः मायावती

» सपा का बौद्ध मठ, भाजपा के ज्ञानवापी बयान पर दी तीखी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि सपा के बौद्ध मठ को तोड़कर बद्रीनाथ मंदिर बनाने संबंधी बयान के बाद अब भाजपा का ज्ञानवापी प्रकरण पर बयान आया है। जो बेहद गंभीर व चिंतनीय है। मायावती ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त थी। मौर्य ने कहा था कि बद्रीनाथ सहित अनेक मंदिर बौद्ध मठों को तोड़कर बनाए गए हैं।

आधुनिक सर्वे अकेले ज्ञानवापी मस्जिद का ही क्यों अन्य प्रमुख मंदिरों का भी होना चाहिए। मायावती ने कहा था कि इस बयान से न तो बौद्ध और न ही मुस्लिम मौर्य के बहकावे में आने वाले हैं। उधर सोमवार को योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञानवापी को यदि मस्जिद कहेंगे तो विवाद होगा। वहां हमने तो त्रिशूल रखा नहीं। ऐसे में मुस्लिम समाज को खुद इसके समाधान की पहल करनी चाहिए। इन दोनों ही बयानों पर बिना नाम लिए मायावती ने कहा कि पहले बौद्ध मठ वाला बयान और अब कोर्ट में लंबित ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर विवाद को बढ़ाने वाला यह बयान कहीं इन दोनों पार्टियों की सोची-समझी राजनीतिक साजिश का परिणाम तो नहीं।

कोर्ट में है मामला, ज्ञानवापी पर टिप्पणी ठीक नहीं

यह गंभीर व चिंतनीय है। ज्ञानवापी मामले में एएसआई से सर्वे कराने के विवाद को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाईकोर्ट में अभी लंबित है। ऐसे में इस विवाद के संबंध में कोई भी टीका टिप्पणी करना अनावश्यक ही नहीं बल्कि अनुचित है। कोर्ट के फैसले का सम्मान एवं इंतजार करना जरूरी है।

हरियाणा में शांति बनाए रखें लोग : केजरीवाल

» नूंह में हुई सांप्रदायिक हिंसा बहुत परेशान करने वाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के बाद कई इलाकों में तनाव का माहौल बना हुआ है। इसी घटना को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बयान जारी किया है। उन्होंने अपने ट्विट हैंडल से ट्वीट करते हुए हिंसा प्रभावित इलाकों के लोगों से शांति और भाईचारे की अपील की है। हरियाणा के नूंह (मेवात) में सांप्रदायिक हिंसा बेहद परेशान करने वाली है। पूर्वोत्तर में मणिपुर के बाद अब हरियाणा में इस तरह की वारदात अच्छे संकेत नहीं हैं।

हरियाणा की समस्त जनता से मेरी हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि ऐसे नाजुक समय में हम शांति और आपसी भाईचार कायम रखें। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर नूंह हिंसा को लेकर कहा कि नूंह में हुई सांप्रदायिक हिंसा बहुत परेशान करने वाली है। मणिपुर के बाद हरिणाया में इस तरह की हिंसा का संकेत अच्छा नहीं है। मैं हरियाणा की समस्त जनता से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। ऐसे नाजुक वक्त में हम शांति और आपसी भाईचार कायम रखें। अमन विरोधी ताकतों के खिलाफ हम सभी को मिलकर काम करना होगा। हरियाणा के नूंह (मेवात) में सांप्रदायिक हिंसा बेहद परेशान करने वाली है। पूर्वोत्तर में मणिपुर के बाद अब हरियाणा में इस तरह की वारदात अच्छे संकेत नहीं हैं। हरियाणा की समस्त जनता से मेरी हाथ जोड़कर प्रार्थना है कि ऐसे नाजुक समय में हम शांति और आपसी भाईचार कायम रखें। अमन विरोधी ताकतों और हिंसा की सियासत को हम सभी को मिल-जुलकर हराना है।

एसआईटी गठित कर जांच करवाई जाए

केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की अध्यक्षता में दो अलग-अलग एसआईटी की भी मांग की है, जिनमे से एक हत्या, लापता व्यक्तियों आदि के सभी मामलों की जांच की निगरानी करें और दूसरी विशेष रूप से यौन उत्पीड़न के मामलों को देखे। इसके अलावा आयोग ने सिफारिश की है कि यौन हिंसा के सभी मामलों को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए और सुनवाई राज्य के बाहर विशेषकर दिल्ली में एक फास्ट ट्रैक कोर्ट में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित लोगों और उनके परिवारों को तत्काल 25 लाख रुपये का मुआवजा पैकेज प्रदान किया जाना चाहिए।

मणिपुर में लगे राष्ट्रपति शासन : स्वाति मालीवाल

मणिपुर में चल रही हिंसक झड़पों के संबंध में दिल्ली महिला आयोग ने राष्ट्रपति को अंतरिम रिपोर्ट भेजी है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने रिपोर्ट में कहा है कि मणिपुर मई 2023 से जातीय संघर्षों से जूझ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोगों की जान चली गई, कई घर, सांस्कृतिक स्थल और धार्मिक स्थल नष्ट हो गए और अनगिनत परिवारों का विस्थापन हो गया। इस कारण राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। मालीवाल ने महिलाओं के साथ यौन हिंसा को दर्शाने वाले वायरल वीडियो के सामने आने के बाद अपनी सहयोगी वंदना सिंह के साथ 23 जुलाई को चुराचांदपुर, मोइरांग, कोंगपोकपी और इंफाल जिलों सहित हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था और हिंसा से प्रभावित लोगों से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने राज्य के राज्यपाल से भी मुलाकात की थी। पुलिस की निष्क्रियता और मिलीभगत के खिलाफ प्राप्त शिकायतों की जांच करे।

...जाति वो है जो जाती नहीं है

जातिगत जनगणना की मंजूरी का सियासत पर पड़ेगा असर

- भाजपा पर भारी पड़ सकता है यह फैसला
- जदयू-राजद ने कहा- ऐतिहासिक निर्णय
- कमजोरों के आर्थिक उत्थान करने में मिलगी मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पटना हाई कोर्ट ने बिहार राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण कराने के बिहार सरकार के फैसले को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से महागठबंधन खेमा बहुत खुश है, जबकि भाजपा की प्रतिक्रिया सधी हुई आई है। जानकारों की माने तो इस फैसले के सियासी मायने भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारत में कहा जाता है कि जाति वो है जो जाती नहीं है। उत्तर भारत विशेषकर बिहार व उत्तर प्रदेश में जाति का राजनीति पर बहुत प्रभाव है ।

ऐसे में यह फैसला जदयू, राजद जैसे सियासी दलों को लाभ पहुंचा सकता है। इस फैसले से जातिगत आंकड़े उपलब्ध होंगे जिसके आधार पर राजनैतिक दल जातियों के आधार पर योजनाएं बना सकेंगे जिससे उन कमजोर लोगों को आर्थिक रूप आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। वहीं इस फैसले का बीजेपी पर भी प्रभाव पड़ेगा। बीजेपी अपने एजेंडे हिंदुत्व को धार दे रही है। वह इस बात पर जोर दे रही है हिंदू जाति में न बंटे तो उसको राजनैतिक लाभ मिलता रहेगा। अब अगर इस फैसले के बाद अन्य राज्य भी ऐसे सर्वे करवाने लगे तो भाजपा को नुकसान पहुंच सकता है। खैर आगे आने वाले चुनाव में इसका असर देखने को मिल सकता है।

गरीबों के विकास के द्वार खुलेंगे : लालू

बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पटना हाईकोर्ट द्वारा खारिज किए जाने पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि हम हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। यह सिर्फ एक फैसला नहीं है बल्कि गरीबों के लिए फैसला है। इससे उनके लिए दरवाजे खुलेंगे। राजद प्रमुख ने कहा कि उनके सर्वेक्षण के बाद, उनकी आर्थिक स्थिति का पता चलेगा और उस आधार पर सरकार उनके लिए योजनाओं का मसौदा तैयार करेगी और इससे विकास के द्वार खुलेंगे। मैं सीएमऔर तेजस्वी यादव को धन्यवाद देता हूं, उन्होंने कड़ी मेहनत की।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

पटना उच्च न्यायालय ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण कराने के बिहार सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। वास्तव में, उच्च न्यायालय ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी की पीठ ने जाति-आधारित सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं पर फैसला सुनाया। अधिवक्ता दीनू कुमार ने कहा कि जज ने ये फैसला सुनाया कि बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वे को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी गई हैं। वह इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हालांकि, यह नीतीश सरकार की बड़ी जीत है।

सर्वे का पहला चरण जनवरी में संपन्न

बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण का पहला चरण 7 जनवरी, 2023 से शुरू हुआ जो 21 जनवरी को समाप्त हुआ। पहले चरण में राज्य के सभी घरों की संख्या गिनी और दर्ज की गई। पहले चरण के आकड़ों के आधार पर दूसरे चरण की गणना होगी। प्रथम चरण में एकत्रित किए गए सभी आंकड़ों को अब इस पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा और ये आंकड़े मोबाइल एप पर द्वितीय गणना के समय प्रगणक और पर्यवेक्षकों को उपलब्ध होंगे। पहले चरण में ढाई करोड़ से अधिक परिवारों की हुई गिनती जाति गणना के पहले चरण में 38 जिलों में बिहार भर (जिनमें 534 ब्लॉक और 261 शहरी स्थानीय निकाय हैं), के करीब दो करोड़ 58 लाख 90 हजार 497 परिवारों तक गणना कर्मियों ने पहुंच कर मकानों की नंबरिंग की। पहले चरण में परिवार के मुखिया का नाम और वहां रहने वाले सदस्यों की संख्या को अंकित किया गया था। सात जनवरी से शुरू हुए पहले चरण की जाति गणना में पांच लाख 18 हजार से अधिक कर्मी लगाये गये थे। पटना जिले में 14.35 लाख परिवारों का हुआ सर्वेक्षण,छुटे हुए परिवार जिला जाति गणना कोषांग को दे सकते जानकारी।

दूसरे चरण में सामाजिक-आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलेगी

सर्वेक्षण के दूसरे चरण में जो 15 अप्रैल से 15 मई होना था, घरों में रहने वाले लोगों, उनकी जाति,, उपजातियों, सामाजिक-आर्थिक स्थिति आदि को एकत्र किया जाएगा। सर्वेक्षण 31 मई, 2023 को समाप्त होगा। इस चरण में, 3.04 लाख से अधिक प्रगणक उत्तरदाताओं से जाति सहित 17 प्रश्न पूछेंगे। जबकि सभी 17 प्रश्न अनिवार्य हैं,प्रत्येक प्रगणक को 150 घरों तक पहुंचने का लक्ष्य दिया गया है। जबकि सभी 17 प्रश्न अनिवार्य हैं, आधार संख्या, जाति प्रमाण पत्र संख्या और परिवार के मुखिया का राशन कार्ड नंबर भरना वैकल्पिक है।बिहार सरकार ने सूबे की 215 अलग-अलग जातियों के लिए अलग-अलग कोड निर्धारित किए हैं। किसी विशेष जाति की संबंधित उप-श्रेणियों को एक एकल सामाजिक इकाई में मिला दिया गया है, और उनके पास जाति-आधारित हेडकाउंट के महीने भर के दूसरे चरण के दौरान उपयोग के लिए एक संख्यात्मक जाति कोड है। वहीं इस चरण में नाम दर्ज कराने को लेकर विशेष सख्ती रहेगी। अगर कोई दो बार नाम लिखाने का प्रयास करेगा तो अब एप ऐसे लोगों को चिन्हित कर लेगा। राज्य के बाहर रहने वाले लोगों के नाम भी दर्ज किये जायेंगे। पटना जिले में 12 हजार 831 गणना कर्मियों को 15 अप्रैल से 15 मई तक 73 लाख 52 हजार 729 लोगों की गणना करनी है। 15 अप्रैल 2023 को, नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर स्थित अपने पैतृक घर से जाति आधारित सर्वेक्षण के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। 22 जनवरी 2023 से लेकर दूसरे चरण की समाप्ति तक जन्म लिए नवजात की गणना नहीं हो रही है। नीतीश कुमार ने बताया कि डाटा का काम पूरा होने के बाद जाति आधारित सर्वे की रिपोर्ट बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद के पटल पर रखी जाएगी। उसके बाद रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। गणना के दूसरे चरण का कार्य 15 अप्रैल से 15 मई, 2023 तक सभी 261 निकायों व 534 प्रखंडों में चलेगा।

सर्वे का पहला चरण जनवरी में संपन्न

बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण का पहला चरण 7 जनवरी, 2023 से शुरू हुआ जो 21 जनवरी को समाप्त हुआ। पहले चरण में राज्य के सभी घरों की संख्या गिनी और दर्ज की गई। पहले चरण के आकड़ों के आधार पर दूसरे चरण की गणना होगी। प्रथम चरण में एकत्रित किए गए सभी आंकड़ों को अब इस पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा और ये आंकड़े मोबाइल एप पर द्वितीय गणना के समय प्रगणक और पर्यवेक्षकों को उपलब्ध होंगे। पहले चरण में ढाई करोड़ से अधिक परिवारों की हुई गिनती जाति गणना के पहले चरण में 38 जिलों में बिहार भर (जिनमें 534 ब्लॉक और 261 शहरी स्थानीय निकाय हैं), के करीब दो करोड़ 58 लाख 90 हजार 497 परिवारों तक गणना कर्मियों ने पहुंच कर मकानों की नंबरिंग की। पहले चरण में परिवार के मुखिया का नाम और वहां रहने वाले सदस्यों की संख्या को अंकित किया गया था। सात जनवरी से शुरू हुए पहले चरण की जाति गणना में पांच लाख 18 हजार से अधिक कर्मी लगाये गये थे। पटना जिले में 14.35 लाख परिवारों का हुआ सर्वेक्षण,छुटे हुए परिवार जिला जाति गणना कोषांग को दे सकते जानकारी।

भाजपा जातिगत जनगणना को रोकना चाहती थी : तेजस्वी

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है। हाईकोर्ट ने महागठबंधन सरकार के फैसले पर अपनी मुहर लगा दी है। यह स्वागत योग्य निर्णय है। यादव ने साफ तौर पर कहा कि हमारी लड़ाई समाज के पिछड़े लोगों को मुख्यधारा में लाने की है। जब जाति आधारित सर्वेक्षण होगा, तो स्पष्टता आएगी और उसी आधार पर सरकार योजनाएं बनाएगी और उन तक सुविधाएं पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जातिगत जनगणना को रोकना चाहती थी। मैं ऐसा करने के लिए मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू यादव को धन्यवाद देता हूं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रेल यात्रा में डराने वाली है घटना

सोमवार को जयपुर से मुंबई जा रही एक एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में आरपीएफ के एक जवान ने फायरिंग कर दी। इस घटना के बाद आम आदमी रेल यात्रा करने में डरने लगेगा। एक तरफ तो रेल दुर्घटना का डर उसे रहता ही अब उसे ट्रेन के अंदर भी डर के साये यात्रा करने को मजबूर होना पड़ेगा। जवान गोलीबारी में एक एएसआई समेत तीन यात्रियों की मौत हो गई। जांच में जानकारी मिली है कि जवान काम के दबाव में था। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि वह गुस्सैल स्वाभाव का था और घटना वाले दिन भी वह अपने अधिकारी से किसी बात से नाराज हो गया था इसकी वजह से उसने इस घटना को अंजाम दे दिया। अधिकारियों ने जवान की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात भी कही है। लेकिन ये हत्या कई सवाल खड़े करती है। जयपुर से मुंबई जा रही एक पैसेंजर ट्रेन में जिस तरह से रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स जवान ने फायरिंग की और एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर सहित तीन यात्रियों को मार डाला, वह रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

हालांकि घटना सोमवार सुबह की है और अभी आरंभिक सूचनाएं ही उपलब्ध हो पाई हैं, लेकिन ये भी बहुत परेशान करने वाली हैं। सवाल उसे ड्यूटी पर तैनात किए जाने पर उठता है।अव्वल तो यह कि उसकी मानसिक स्थिति ठीक न होने की कितनी पुष्ट या अपुष्ट जानकारी अफसरों को थी और दूसरे इस जानकारी के बावजूद उसे हथियारों के साथ ट्रेन और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पर कैसे लगा दिया गया। जहां तक गरम मिजाज की बात है तो भी सवाल यही है कि इससे पहले ऐसी कौन सी और कितनी घटनाओं की सूचना सीनियर्स को थी। अगर इन दोनों बातों को संभावना के तौर पर थोड़ी देर को सही मान लिया जाए तो भी यह सवाल बना रहता है कि उसे अचानक चलती ट्रेन में फायरिंग करने के लिए उकसाने वाले कौन से हालात बन गए। कई ऐसे सवाल उठते हैं, जाहिर है, आगे की जांच-पड़ताल से ही इस मामले के सभी तथ्य सामने आएंगे और इन सवालों के जवाब भी तभी मिल सकेंगे। रेलवे के मामले में पिछले कुछ समय से ऐसी प्रवृत्ति बनती दिखी है कि जब भी कोई बड़ी घटना होती है तो सारा जोर उस एक घटना पर और उसके दोषियों पर केंद्रित हो जाता है। बड़ा सवाल उन हालात का है, जिनमें ऐसी घटनाओं का होना संभव बनता है। रेल सेवा एक ऐसी चीज है जो इस देश के आम लोगों से, उनकी जिंदगी से गहरे जुड़ी हुई है। चाहे बड़ी दुर्घटनाओं का मामला हो या यात्रियों को सुरक्षा का रेलवे को को इस ओर ध्यान देना होगा कि आगे इस तरह की घटनाएं न हों।

“ जयपुर से मुंबई जा रही एक पैसेंजर ट्रेन में जिस तरह से रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स जवान ने फायरिंग की और एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर सहित तीन यात्रियों को मार डाला, वह रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। हालांकि घटना सोमवार सुबह की है और अभी आरंभिक सूचनाएं ही उपलब्ध हो पाई हैं, लेकिन ये भी बहुत परेशान करने वाली हैं। सवाल उसे ड्यूटी पर तैनात किए जाने पर उठता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुशासन हेतु नेतृत्व परिवर्तन की दरकार

राजेश रामचंद्रन

'तुम्हें मंदिर परिसर में टांगेंगे और जला देंगे'! मणिपुर की हिंसा का एक सीधा असर केरल में मुस्लिम लीग के कार्यकर्ताओं द्वारा लगाया गया यह नारा है। यह दर्शाता है कि किस कदर केरल 'सांप्रदायिकता की हांडी' बन चुका है और इसकी अल्पसंख्यक-केंद्रित राजनीति ने क्या राह पकड़वा दी है। लेकिन ज्यादा अहम है मणिपुर की हत्याओं और बलात्कारों से राष्ट्रीय मानस पर पड़ा दीर्घकालीन असर। चंडीगढ़ हो या तिरुवनंतपुरम या समूचा भारत, पादरियों सहित ज्यादातर ईसाई समुदाय मणिपुर हिंसा के खिलाफ जुलूस निकाल रहा है। कुछ मुस्लिम लीग कार्यकर्ता, जिन्हें बाद में पार्टी ने निष्कासित कर दिया और पुलिस ने हिरासत में लिया है, उनके मंसूबे केरल के बेगुनाह हिंदुओं पर बदलाखोर हिंसा करने के थे।

क्या वास्तव में यह सब वही है जो मणिपुर की एन बीरेन सिंह की सरकार करवाना चाहती थी? क्या यह ध्रुवीकरण एक योजना का परिणाम है? या फिर डबल-इंजन सरकार की नाकामी और कुशासन का सीधा सा मामला है? जो भी हो, सत्तासीन पार्टी मणिपुर में सत्ता में बने रहने का हक नैतिक आधार पर पूरी तरह गंवा बैठी है। बीरेन सिंह इस्तीफा दें और उन्हें जल्द से जल्द बदल दिया जाये। केंद्रीय सरकार जितना अधिक बीरेन सिंह के बने रहने को सही ठहराएगी उतना ही बल ध्रुवीकरण किए जाने वाली दलीलों को मिलता जाएगा, खासकर आगामी लोकसभा चुनाव के परिप्रेक्ष्य में। पर, दुर्भाग्यवश केंद्र सरकार न केवल मैतई-कुकी रार को वैधता दे रही है बल्कि हिंदू-ईसाई दोफाड़ बनाने के अलावा ईसाई पश्चिमी जगत की आलोचना और उपहास को भी आमंत्रित कर रही है। जो कोई देश के उत्तर-पूरबी अंचल की जातीय समीकरण वाली राजनीति की समझ रखता है, वह जानता होगा कि मणिपुर के टकराव जातीय हैं न कि सांप्रदायिक, हालांकि कुकी जाति ईसाई है और अधिकांश मैतई हिंदू हैं। दोनों पक्ष अपनी मूल पहचान मैतई और कुकी को लेकर भूमि की खातिर लड़ रहे हैं।

कुकी एक अनुसूचित जनजाति है, लिहाजा नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण सहित अनेक फायदे मिलते हैं जो कि मैतई समुदाय को नसीब नहीं हैं, और कुकी लोग पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी मल्कियत वाली विशाल भूमि से मैतियों को दूर रखना चाहते हैं। यह मैतियों के पक्ष में सुनाया गया एक

अदालती फैसला है जिसने कुकियों को आंदोलन की राह पकड़वाई जिसकी परिणति राक्षसी हिंसा के रूप में हुई, जिसमें सार्वजनिक यौन उत्पीड़न की वायरल हुई वीडियो भी शामिल है। 300 शरणार्थी कैम्पों में बेघर हुए लाखों लोग अब रह रहे हैं अधिकांशत: कुकी, लेकिन मैतई भी हैं। राजनेताओं के लिए बाकी देश में सांप्रदायिकता फैलाने के लिए यह संदर्भ एक आसान औजार बन गया है। दूसरे, पहचान को लेकर बने टकरावों को राजनीतिक सहूलियत के लिए सांप्रदायिक रंगत दे दी गई है। एक बड़े दल के लिए यह अवसर अपने प्रभाव क्षेत्र में या जहां कहीं 'हिंदू खतरे में है' वाला नारा काम करता है, राजनीतिक लाभ उठाने का हथियार है। परंतु यह ध्रुवीकरण विपक्ष को ज्यादा माफिक है। जहां कहीं भाजपा ईसाइयों पर डोरे डाल रही थी, उदाहरणार्थ केरल, मणिपुर घटना से वे निर्णायक रूप से भाजपा के विरुद्ध हो जाएंगे। हालांकि सुदूर केरल में मुस्लिमों को हिंदुओं के खिलाफ करवाना दीर्घकाल में बढ़िया नीति नहीं होगी। वास्तव में, वह सूबा जिसके इतिहास में आजतक कभी भाजपा या फिर संघ परिवार से जुड़ा कोई सांसद चुनकर न आया हो (यहां तक कि केरल विधानसभा में केवल एक भाजपा विधायक है) वहां अगर सांप्रदायिकता है तो यह विपक्षी दलों की मिलीभगत सिद्ध करती है। अतएव, तथाकथित धर्मनिरपेक्ष राजनेताओं के लिए सांप्रदायिक पत्ते खेलने के लिए भाजपा या संघ परिवार के राजनीतिक प्रभाव की उपस्थिति पूर्व-शर्त नहीं है। पहल उन्हीं ने की है और ऐसा करके संघ परिवार द्वारा अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण किए जाने वाले आरोपों को वैधता प्रदान की है।

परंतु, मैतई-कुकी संघर्ष का सांप्रदायीकरण होना निश्चित तौर पर प्रशासनिक असफलता है। समय रहते की गई प्रशासनिक और पुलिस कार्रवाई से टकराव टल सकता था। लेकिन शासन में बैठे लोगों ने लड़ाई से अधिक से अधिक फायदा उठाने का यत्न किया, जिसके परिणाम में खुद पैदा की मौजूदा स्थिति बदतरीन हालात में से एक बन गयी। अब केंद्र सरकार के लिए बदनामी का कारण बनी, खौफनाक अपराध वाली वीडियो क्लिप का प्रसार करने वालों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है यानी वीडियो आगे फैलाने के जुर्म की आड़ में मणिपुर की घटना को न्यायोचित राजनीतिक मुद्दा बनाने वाले विपक्ष को निशाना बनाने का एक और मौका।

पर्यावरण की परवाह न करने का नतीजा है संकट

गुरबचन जगत

भारी बारिश और उफनती नदियों की खबरों के बीच पंजाब के माझा और दोआबा अंचल में धुस्सी बांधों (मिट्टी से बने तटबंध) में दरारें पड़ने की घटनाएं घटी। मेरी यादें 1971-73 में ले गईं, जब मैं कपूरथला में बतौर पुलिस अधीक्षक तैनात था। प्रताप सिंह कैरों के मुख्यमंत्रित्व काल में धुस्सी बांध बनने से पहले यह इलाका भारी बाढ़ें झेलता आया था। इनका निर्माण कार्य उनकी कोशिशें व बलवंत सिंह (जो बाद में पंजाब के वित्त मंत्री बने) की कड़ी मेहनत का नतीजा था, जिससे तटबंध बनाने का काम सफलतापूर्वक पूरा हो पाया। उस समय मानसून आने से पहले, उपायुक्त इनकी मरम्मत और देखरेख से संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लिया करते थे। इसके बाद, उपायुक्त के नेतृत्व में हम सब स्वयं मौका मुआयना करके कमजोर बिंदुओं की शिनाख्त करते, गांव वालों से मिलते और उनकी समस्याओं पर चर्चा किया करते। इस पर अमल होता। तत्पश्चात, वित्तायुक्त (कराधान) का दौरा होता, जिसमें हमें साथ लेकर वे पूरे तटबंध का मुआयना करते और आपदा प्रबंधों की समीक्षा होती। यहां तक कि वे उपकरणों और किश्तियों की हालत का जायजा लेते। लिहाजा बरसातें आती तो हम सब चुनौतियों के लिए पहले से तैयार होते।

बाढ़ की स्थिति और संबंधित विषयों की निगरानी के लिए जिला और राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष बनाए जाते। यही वजह है कि बर्बादी की खबरें मुझे विचलित कर रही हैं, क्योंकि साफ है प्रशासनिक ढांचा सोते पकड़ा गया, तभी तो तटबंध जगह-जगह टूट गए। मौजूदा व्यवस्था में किसी की जिम्मेवारी या जवाबदेही तय नहीं है। बेशक प्रशासनिक तंत्र में उच्च स्तर पर भारी संख्या में नौकरशाह, फंड, मंत्री इत्यादि हैं- लेकिन क्या किसी ने मानसून पूर्व अभ्यास-कार्य किया? क्या वित्तायुक्त ने मौका-मुआयना दौरे किए? आज तो पंजाब में कई वित्तायुक्त हैं, जबकि 1971 में एक ही हुआ करता था। उपरोक्त वर्णन पिछले समय में प्रशासनिक तंत्र के कामकाज का एक उदाहरण है।

हालांकि उस वक्त उनके सामने प्राकृतिक आपदा जनित चुनौतियां थीं जबकि वर्तमान में पर्यावरणीय बदलावों से आसन्न आफतें भी हैं। किंतु प्रशासनिक तंत्र की कोताही सब ओर एक-समान है और उसके परिणाम सभी सूबों में देखने को मिल रहे हैं। यह एक सालाना असफलता बन गई है और कारण है सार्वजनिक सुविधाओं के सभी क्षेत्रों को सुचारु रखने को बनाई सुस्पष्ट संहिता पर अमल की अनदेखी। दुनिया की खबरों पर सरासर नजर दौड़ाने पर चरम मौसम दशाएं और उसके परिणाम की चिंताजनक सूचनाएं पाते हैं। यूरोप और उत्तरी अमेरिका के कुछ हिस्से अनवरत भीषण ग्रीष्म लहर से त्रस्त हैं, तिस पर जंगलों में लगी आग ने स्थिति और बिगाड़ रखी है न्यूयॉर्क का संतरी आसमान देखकर दिल्ली से गए आगंतुक की आंखे भर आएंगी। उधर दक्षिण एशिया भारी बारिश झेल रहा है। जून के महीने में बारिश बहुत कम हुई और जुलाई में जल-थल एक करने वाली बरसात ने किसानों को और मुसीबतजदा कर डाला है, फसलें तबाह हो गई हैं और खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं टमाटर, ब्रोकॉली, शिमला मिर्च और अदरक के बीच मानों दामों की दौड़ लगी हो।

इसे यूं समझना हो तो, मैकडॉनल्ड ने टमाटर डालना बंद कर दिया है। बिना टमाटर बिग मैक बर्गर का क्या स्वाद? हैरानी यह कि ठीक वैसा हो रहा है,जैसा कि समय-समय पर अनेकानेक पत्रिकाओं में ज्ञानियों ने चेताया था, लेकिन हम 'होमोसेपियन्स' अपनी रोजमर्रा जिंदगी में मस्त हो चलते रहे (इसे कोई 'जलने को आतुर' भी कह सकता है)। मशहूर विज्ञानी जेम्स लवलॉक ने वर्ष 2005 में पेरिस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी में 'न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी' शीर्षक वाले संबोधन में कहा था 'हमें अकेले केवल मनुष्यों की जरूरतों और हकों के बारे में सोचना बंद करना होगा। साहसी बनें और देखें कि असल खतरा जीवन पाल रही पृथ्वी मां से आएगा, जिसे हमने चोट पहुंचाई है और अब वह हमें सबक सिखाने को उद्यत है।' लाखों जीव प्रजातियों के वजूद पर जो खतरा 75-100 साल बाद बनता, वह आज बहुत नजदीक दिखाई दे रहा है। राष्ट्र और उनके नागरिक अचानक और बिना पूर्व तैयारी के घिर गए हैं क्योंकि किसी को विश्वास नहीं था कि यह हमारे जीवनकाल में होगा।

हम अपने कृत्यों से भावी पीढ़ियों के लिए संकट-दर-संकट इकट्ठा करते चले गए। न तो पर्यावरणीय खतरे को लेकर हुए अध्ययनों की कमी है और न ही संयुक्त राष्ट्र या किन्हीं अन्य मंचों पर आयोजित बैठकों की। व्यक्तिगत तौर पर भी, मसलन, पूर्व अमेरिकी उप-राष्ट्रपति अल गोर ने दुनियाभर में घूम-घूमकर इस विषय पर भाषण दिए हैं। यहां मुझे वाल्टर डी ला मेयर की कविता 'द लिस्नर इन ए डिफरेंट कॉन्टेक्स्ट' की पंक्तियां याद आ रही है 'उसने कहा, अंदर कोई है पथिक को जवाब कहां मिलता सुना जो केवल भूतों ने जिनका अब वहां बसेरा था जो चांद की खामोश रोशनी की तरह चुपचाप सुन रहे आवाज दुनियावी बंदे की।' यह शायद आने वाले वक्त की गूंज है विज्ञान को हमने अपने मुसीबतों की एवज पर अनदेखा जो किया है। इसके बावजूद हम पाते हैं पश्चिमी देश रूस से युद्ध में उलझे हैं। एक बार फिर से, क्षुद्र राजनीतिक होड़ में, एक-दूसरे को नेस्तनाबूद करने को आतुर सेनाओं के लिए गोला-बारूद, कुमुक पहुंचाने और भंग हुई आपूर्ति शृंखला के साथ जीवाश्म ईंधन का उपयोग जमकर हो रहा है और इस सब में अच्छाई और विज्ञान पीछे कहीं छूट गया।

स्वस्थ मस्तिष्क

अच्छी जीवन शैली और आहार जरूरी

हमारा मस्तिष्क पूरे शरीर को गतिविधियों को नियंत्रित करने में मदद करता है। यही कारण है कि इसे स्वस्थ रखने के लिए निरंतर उपाय करते रहने की आवश्यकता होती है। मस्तिष्क को स्वस्थ रखने और इसके कार्यों को सुचारू तरीके के जारी रखने के लिए जरूरी है कि हमारी जीवनशैली और आहार भी स्वस्थ रहे। दुर्भाग्यवश इन दोनों में होने वाली गड़बड़ी के कारण वैश्विक स्तर पर तेजी से मस्तिष्क से संबंधित रोगों का खतरा काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। मस्तिष्क की सेहत के लिए आहार की विशेष भूमिका होती है। हम क्या खाते हैं, इसका सीधा असर शरीर के इस महत्वूर्ण अंग को प्रभावित करता है। कुछ चीजें आपके मस्तिष्क के लिए हानिकारक हो सकती हैं, यहां तक कि इससे डिमेंशिया जैसी बीमारियों के बढ़ने का भी खतरा हो सकता है।

ब्रॉकली

भले ही आम घरों में बहुत ज़्यादा यूज़ न होता हो, मगर ये हरी सब्ज़ी सेहत से भरपूर होती है। इसे बॉयल करके खाना सेहत के लिए बहुत फ़ायदेमंद होता है। ब्रॉकली, एंटीऑक्सीडेंट सहित शक्तिशाली प्लांट बेस्ड यौगिकों से भरपूर होती है। इसमें विटामिन-के पाया जाता है, जो ब्रेन सेल्स को स्वस्थ रखने और बीमारियों को कम करने में सहायक है। वयस्कों पर किए गए कुछ अध्ययनों में पाया गया कि जो लोग विटामिन-के का सेवन करते हैं उनकी स्मृति और संज्ञानात्मक शक्ति मजबूत होती है।

हल्दी

हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है जो मस्तिष्क की कोशिकाओं को लाभ पहुंचा सकता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट और सूजन-रोधी यौगिक के रूप में काम करता है जिससे याददाश्त की समस्याओं का जोखिम कम होने के साथ मस्तिष्क कोशिकाओं में होने वाली क्षति के कारण बीमारियों का खतरा कम होता है।

अल्कोहल बहुत हानिकारक

शराब की थोड़ी भी मात्रा शरीर के लिए नुकसानदायक होती है, इसे संपूर्ण शारीरिक, विशेषकर मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाया गया है। लंबे समय तक शराब का सेवन आपके मस्तिष्क में न्यूरोट्रांसमीटर संचार को बाधित कर सकता है। समय के साथ स्मृति हानि, चीजों को समझने की शक्ति भी कम हो सकती है।

धूम्रपान-सबसे बड़ा दुश्मन

मस्तिष्क की सेहत के लिए जिन चीजों को सबसे हानिकारक दुष्प्रभावों वाला पाया गया है, धूम्रपान उनमें से एक है। शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वालों का सेरेब्रल कॉर्टेक्स, धूम्रपान न करने वालों की तुलना में पतला हो जाता है। सेरेब्रल कॉर्टेक्स मस्तिष्क का वह हिस्सा है जो स्मृति और सीखने सहित सोचने के कौशल के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें होने वाली क्षति न सिर्फ आपके सामाजिक कौशल को कम करती है साथ ही मस्तिष्क से संबंधित कई गंभीर बीमारियों को बढ़ाने वाली भी हो सकती है।

ज्यादा मीठी चीजें नुकसानदायक

मीठी चीजें सिर्फ ब्लड शुगर ही नहीं बढ़ाती हैं, इनसे आपके मस्तिष्क को भी क्षति पहुंचती है। अगर आप ऐसी चीजें खाते हैं तो आपका ब्लड शुगर बढ़ सकता है जिससे हृदय रोग और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ जाता है। अधिक चीनी खाने से मस्तिष्क में इंसुलिन प्रतिरोध भी बढ़ने लगता है, जो सीखने, स्मृति और न्यूरॉन विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

हंसना मना है

एक मकान मालिक नए किरायेदार को मकान दिखा रहा था। मकान मालिक- इसका किराया 700 रुपए होगा। किरायेदार -ठीक है, लेकिन आपके मकान में तो चूहे नाच रहे हैं! मकान मालिक-तो 700 रुपए में क्या शीला का नाच देखना चाहते हो?

जज- क्या सबूत है कि जब एक्सीडेंट हुआ, तब तुम कार तेज नहीं चला रहे थे? कार चालक- साहब, मैं अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था। जज- ओह, छोड़ दो इस मासूम को, ऐसे समय कोई भी गाड़ी तेज नहीं चला सकता।

दादी और पोता आपस में बात करते हुए, दादी-लगता है उस लड़की को लकवा हो गया है। देख कैसे उसका एक हाथ ऊपर हो रहा है और मुंह पिचका सा हो गया है। पोता- दादी लकवा नहीं, वह सेल्फी ले रही है।

यात्री- क्या मैं यहां एक सिगरेट पी सकता हूं? स्टेशन मास्टर- नहीं, यहां सिगरेट पीना सख्त मना है। यात्री- फिर यहां इतने सिगरेट के टुकड़े कैसे पड़े हैं? स्टेशन मास्टर- ये उन लोगों ने फेंके हैं, जो पूछते नहीं है।

कहानी | व्यापारी और गधा

एक बार एक गधा और एक आदमी रास्ते से जा रहे थे, रास्ते में गधा किसी गहरे गड्ड में गिर जाता है, और वह उस गड्ड से बाहर नहीं निकल पता है यह देखकर वह आदमी अपने पसंदीदा गधे को गड्ड से निकालने का हर भरसक प्रयास करता है, लेकिन काफी प्रयत्न करने के बाद भी वो असफल हो जाता है, जिससे वह बहुत दुखी होता है, लेकिन वह आदमी अपने गधे ऐसी हालत में छोड़कर जाना भी नहीं चाहता था, तभी उसके दिमाग में एक विचार आता है वह उसे उसी गड्ड में ज़िंदा गाड़ने का मन बना लेता है, जिससे वह आसानी से मर सके। और फिर वह शांति से अपने घर जा सके। ऐसा सोचकर वह अपने गधे पर मिट्टी डालना आरंभ कर देता है, जैसे ही गधे पर मिट्टी गिरती है, वो उसे वजन के कारण हिलाकर हटा देता इस तरह आदमी जितनी मिट्टी उस गड्ड में डाल रहा था वह गधा अपने शरीर को हिलाकर वह मिट्टी को उसी गड्ड में गिरा देता ऐसा करने से उस गड्ड में काफी मिट्टी हो जाती है और अब गधा उसी मिट्टी पर चढ़ता जाता है। देखते ही देखते गधा उस गड्ड के बिल्कुल ऊपर आ जाता है और वह सुरक्षित बाहर आ जाता है। ऐसा होता देख वह आदमी बहुत खुश हो जाता है और इस तरह से गधे की जान भी बच जाती है।

कहानी से शिक्षा- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि समस्या के साथ जीना मत सीखो। समस्या से सीखो और आगे बढ़ो। दोस्तों यह हमारे हाथ में है की हम या तो समस्या रूपी मिट्टी के नीचे दब जाये, और समस्या आने पर उसी के बारे में सोचे और परेशान होते रहे। या फिर उसी समस्या रूपी मिट्टी को सीडी बनाकर ऊपर चढ़ जाएं।

7 अंतर खोजें

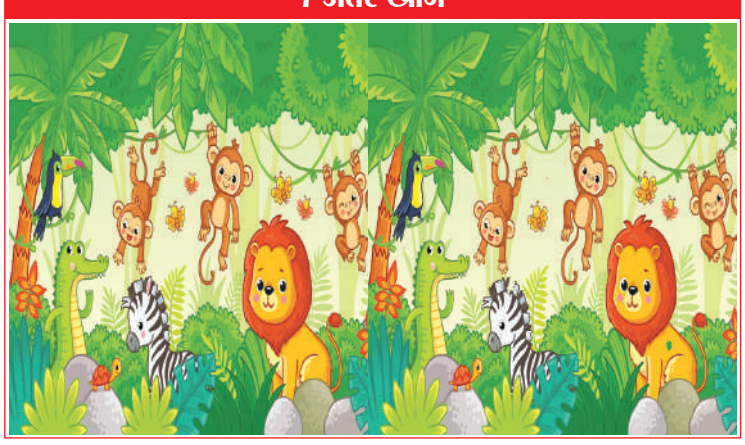

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कुसंगति व जल्दबाजी से बचें। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें।

कर्क

स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे।

सिंह

मेहनत अधिक होगी। बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी।

कन्या

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी।

तुला

पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। अच्छे समाचार मिलेंगे। विवाद से बचें। मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा।

धनु

अप्रत्याशित खर्च होंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी।

मकर

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी।

कुम्भ

कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन

पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें।

बॉलीवुड | मन की बात

तलाक देना मेरी लाइफ का सबसे बुरा समय था : पूजा

बिग बॉस ओटीटी का सीजन 2 टॉक ऑफ द टाउन बना हुआ है। शो में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रहे तमाम सेलेब्स अपनी लाइफ के राज भी खोल रहे हैं। शो की कंटेस्टेंट और बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा भट्ट भी अपनी लाइफ के कई राज को फाश कर चुकी हैं। वहीं एक्ट्रेस ने अब को-कंटेस्टेंट जिया शंकर के सामने अपनी 11 साल की टूटी शादी को लेकर बात की। 'बिग बॉस ओटीटी 2' के लेटेस्ट एपिसोड में पूजा भट्ट अपनी 11 साल की टूटी शादी को लेकर जिया शंकर के साथ बात करते हुए नजर आई। पूजा ने कहा कि ये उनकी लाइफ का सबसे लोएस्ट पॉइंट था जब दोनों ने अलग होने का फैसला किया और इससे उबरना उनके लिए बहुत मुश्किल था। पूजा ने आगे कहा, सच कहूं तो अगर आप मुझसे पूछें जिया, मेरी लाइफ का सबसे बुरा समय वह था जब मैंने 11 साल की शादी के बाद पति को तलाक दे दिया और यह पूरी तरह से मेरा फैसला था। पूजा आगे कहती हैं, मैं अपने आप से झूठ नहीं बोल सकती क्योंकि मेरा इसे जारी रखने का मन नहीं था। मैंने कहा कि मैं अपनी जिंदगी आराम से जीना चाहती हूं या अपने 10 से 11 साल पुराने रिश्ते को बरकरार रखना चाहती हूं और मेरे पति बुरे इंसान नहीं हैं। हमारे बीच जो कुछ भी था वह सब वहीं था। लेकिन फिर मैंने सोचा कि मैंने खुद को खो दिया है और यह किसी और के लिए या जीवन की बेहतरी के लिए नहीं है। मैं खुद को वापस चाहती थी लेकिन उसके बाद मैंने अपना दर्द छुपाने के लिए क्या किया जबकि यह 11 साल पुराना रिश्ता था? इसे अचानक बंद कर दिया गया और ऐसा लगा जैसे यह मौत है लेकिन लोग पूछते हैं कि क्या आप ठीक हैं और लोग पसंद करते हैं कि आप ऐसा कहें। बाद में आप जाकर शराब के पीछे छिप जाते हैं। तब मैंने सोचा कि मैं खुद को आजाद करना चाहती हूं और खुद को ढूंढना चाहती हूं लेकिन मैंने खुद को खराब जोन में और धकेल दिया।

लीक हुई आदित्य और अनन्या पांडेय की वेकेशनल तस्वीरें

आदित्य रॉय कपूर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। रिपोर्ट्स की माने तो आदित्य बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को डेट कर रहे हैं। दोनों ने अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल नहीं किया है। दोनों ने ही अपने रिश्ते पर चुप्पी साधी हुई है। हाल ही में आदित्य और अनन्या वेकेशन मनाने के लिए पुर्तगाल गए थे। जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थीं। इससे बाद से फैंस से मान लिया था कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

आदित्य और अनन्या की इन तस्वीरों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। अब इन लीक हुई तस्वीरों पर आदित्य रॉय कपूर ने चुप्पी तोड़ी है। आदित्य और अनन्या की कई तस्वीरें वायरल हुई थीं। किसी में दोनों एक-दूसरे में खोए नजर आए थे तो किसी में मस्ती करते दिखे थे। अब आदित्य ने बिना अनन्या के बारे में बात करते हुए फोटोज के बारे में बात की।

बॉलीवुड | गपशप

आदित्य ने तोड़ी चुप्पी

आदित्य रॉय कपूर ने कहा- ये अच्छी बात है कि मैं सोशल मीडिया पर नहीं हूं लेकिन हां मैंने इसके बारे में जरूर सुना। जब आदित्य से उनकी पुर्तगाल की ट्रिप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- मुझे ब्रेक की जरुरत थी। मैंने मानसून मिस किया, मुझे मुंबई में मानसून बहुत पसंद है। जब मैं वापस आया तो लगातार एक हफ्ते तक बारिश हुई।

मूवी डेट पर गए थे आदित्य: अनन्या

मुंबई आने के बाद भी आदित्य और अनन्या डेट पर गए थे। दोनों की मूवी डेट की तस्वीरें वायरल हुईं थीं। आदित्य और अनन्या फिल्म बार्बी देखने गए थे। फोटोज में अनन्या ने बार्बी फिल्म के लिए पिंक ड्रेस पहना था वहीं आदित्य व्हाइट शर्ट और ट्राउजर में नजर आए थे। आदित्य और अनन्या के रिलेशनशिप की खबरें तब से सुर्खियों का हिस्सा बनीं थीं जब दोनों कृति सेनन की दिवाली पार्टी में साथ में पहुंचे थे। उसके बाद दोनों ने मनीष मल्होत्रा के लैक्मे फैशन वीक में साथ में रैंप वॉक किया था। फीफा वर्ल्ड कप के सेमी फाइनल में दोनों को साथ में देखकर फैंस को लगने लगा था कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

जल्द ही 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में वापसी करेंगी दयाबेन

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' टीवी का मोस्ट पॉपुलर शो है। इस सिटकॉम ने हाल ही में टीवी पर 15 साल पूरे किए हैं। वहीं इस सीरियल का हर किरदार दर्शकों के दिलों में बसता है। खासतौर पर दयाबेन या दया भाभी का किरदार तो शो का सबसे पॉपुलर कैरेक्टर रहा है। हालांकि कई सालों से ये किरदार शो से गायब है। दरअसल तारक मेहता में दयाबेन का रोल प्ले करने वाली टीवी एक्ट्रेस दिशा वकानी ने सिटकॉम से मैटरिनीटी ब्रेक लिया था। तब से फैंस उनकी शो में वापसी का इंतजार कर रहे हैं। वहीं लगता है कि फैंस की तारक मेहता में दयाबेन को फिर से देखने की ख्वाहिश जल्द ही पूरी होने वाली है।

फेमस कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा पीढ़ीगत अंतर को पाटने के लिए जाना जाता है, और फैमिली के सभी लोग इसे खुशी-खुशी एक साथ देखते है। हर साल तारक मेहता का उल्टा चश्मा स्टारडम की नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है और जैसे ही शो ने पंद्रह साल पूरे किए इस शो के मेकर असित मोदी ने फैंस को गिफ्ट भी दे दिया। दरअसल असित मोदी ने सभी की फेवरेट दिशा वकानी की शो में वापसी कंफर्म कर दी है। एक स्पेशल इवेंट में शो की खूबसूरत जर्नी का रिकैप दिखाया गया था उस दौरान असित मोदी ने दिशा वकानी के कमबैक की अनाउंसमेंट की।

असित मोदी ने दिशा वकानी के शो में लौटने का किया वादा

असित मोदी ने इस दौरान कहा एक कलाकार जिसे कोई नहीं भूल सकता वह है दयाबेन, जिसका किरदार दिशा वकानी ने निभाया है। उन्होंने खुलासा किया कि फैंस दिशा के शो में लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने वादा किया कि वह जल्द ही शो में वापसी करेंगी। हालांकि दिशा वकानी के टेलीविजन पर वापसी की खबरें और दावे छह साल से चल रहे हैं।

अजब-गजब | राजस्थान के जैसलमेर के बड़ा बाग गांव में है अनोखी परंपरा

यहां पर श्मशान घाट में दूल्हा दुल्हन करते हैं सबसे पहले पूजा

भारत विविधताओं का देश है और यहां पर अलग-अलग संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। देश के अलग-अलग इलाकों में शादी की अलग-अलग परंपराओं का पालन किया जाता है। शादी होने के बाद नवविवाहित जोड़ा सबसे पहले अपनी कुल देवी या मंदिर में पूजा-पाठ करते हैं, लेकिन राजस्थान के एक गांव में शादी के बाद अनोखी परंपरा का पालन किया जाता है। इस परंपरा के बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे।

राजस्थान के जैसलमेर से लगभग 6 किमी की दूरी पर बड़ा बाग गांव स्थित है। इस गांव में शादी के बाद नवविवाहित जोड़े की पहली पूजा की अनोखी परंपरा सदियों से चलती आ रही है। इस गांव में नवविवाहित जोड़ा कुल देवी या देवता के मंदिर में पहली पूजा नहीं करता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि दूल्हा और दूल्हन से श्मशान घाट में सबसे पहले पूजा कराई जाती है। गृह प्रवेश के तुरंत बाद नवविवाहित जोड़े को पूजा को करने के लिए श्मशान ले जाया जाता है।

आइए जानते हैं कि आखिर इस अनोखी परंपरा के पीछे की वजह क्या है? बड़ा बाग गांव के श्मशान घाट को बहुत खास माना जाता है। गांव के लोगों का मानना है कि राजपरिवार का खानदानी श्मशान घाट है, जहां 103 राजा और रानियों की याद में छतरियां बनाई गई हैं। श्मशान घाट की वास्तुकला लोगों को आकर्षित करती है। लोगों में श्मशान घाट को लेकर इतनी मजबूत आस्था है कि शादी के बाद नवविवाहित जोड़े ही पहली पूजा ही नहीं करते हैं, बल्कि हर शुभ कार्य से पहले लोग यहां पर पूजा-पाठ करने आते हैं।

गांव के लोगों की मान्यता है कि नवविवाहित जोड़ा को इस श्मशान घाट में पहली पूजा करने से उन्हें स्वर्गवासी राजा-रानियों का आशीर्वाद मिलता है। नवविवाहित जोड़ा श्मशान घाट में राजा-रानियों की समाधियों पर पूजा करता है। शादी के बाद पूर्णिमा के दिन भी पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि स्वर्गवासी राजा-रानियों का आशीर्वाद लेने से वैवाहिक जीवन सुखी होता है। गांव के लोग इस श्मशान घाट में कभी भी आ जा नहीं सकते हैं। गांव के अधिकतर लोग श्मशान घाट में जाने से डरते हैं। रात में श्मशान घाट के आसपास गांव का कोई भी व्यक्ति नहीं जाना चाहता है। स्थानीय लोग बताते हैं कि श्मशान घाट के आसपास अक्सर घुड़सवारों और घोड़ों की टापों की आवाजें सुनाई देती हैं। इसके साथ ही रात में हुक्के की गुड़गुड़ाहट की भी आवाज सुनी जाती है।

दुनिया का इकलौता पर्वत जहां 800 से ज्यादा मंदिर, स्वर्ग सी होती है अनुभूति

पहाड़ों पर छुट्टियां बिताने की ख्वाहिश हर किसी की होती है। क्योंकि पर्वत, झरने, नदियां और प्राकृतिक चीजें हमें लुभाती हैं। अपनी ओर खींचती हैं। भारत में ऐसी खूबसूरत जगहों की कोई कमी नहीं। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि अपने ही देश में एक ऐसा पहाड़ है जिस पर 10-20 नहीं, बल्कि 800 से ज्यादा मंदिर हैं। इस वजह से यह पर्वत आस्था का केंद्र है। आइए जानते हैं इसके पीछे की पूरी कहानी। अगर आप मानसिक शांति के लिए घूमने का प्लान बना रहे, तो इस जगह की सैर करें। यहां आपको स्वर्ग जैसे सुख की अनुभूति होगी, क्योंकि यह जगह अध्यात्म के लिए विश्वप्रसिद्ध है। आप जानना चाह रहे होंगे कि आखिर यह जगह कौन सी है, तो बता दें कि दुनिया का यह इकलौता पर्वत पालीताना शत्रुंजय नदी के तट पर बना शत्रुंजय पर्वत है। समुद्र तल से 164 फीट ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी पर सैकड़ों जैन मंदिर हैं। यहां जाने के लिए आपको पत्थरों की 375 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। अधिक मंदिर होने की वजह से यह लोगों की आस्था का भी केंद्र है। हर साल यहां पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। गुजरात के भावनगर जिले में स्थित यह पर्वत पर मुख्य शहर से करीब 50 किलोमीटर दूरी पर है। यहां पहले जैन तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने ध्यान लगाया था और पहला उपदेश दिया था। यहां 24 में से 23 तीर्थंकर भी पहुंचे थे। इसलिए यह पर्व जैन धर्म के लोगों के लिए प्रमुख तीर्थ है। इस पर्वत पर बना मंदिर संगमरमर से बना हुआ है, जो लोगों को अपनी ओर खींचता है। मंदिरों में विशेष नक्काशी भी की गई है। नवंबर और दिसंबर महीने में कार्तिक पूर्णिमा के दिन काफी संख्या में लोग शत्रुंजय पहाड़ी पर दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। माना जाता है कि जैन धर्म के संस्थापक आदिनाथ ने पर्वत के शिखर पर एक वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। यहां पर आज भी भगवान आदिनाथ का मंदिर है। यहां मुस्लिम संत अंगार पीर की मजार भी है। बताते हैं कि उन्होंने मुगलों से शत्रुंजय पहाड़ी की रक्षा की। इसलिए मुस्लिम लोग भी यहां आते हैं और मत्था टेकते हैं।

लोकतंत्र को बहाल करने की आड़ में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया : सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाने पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही पर पूर्व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने कहा कि हम यहां इस आधार पर खड़े हैं कि जम्मू-कश्मीर का भारत में एकीकरण निर्विवाद है, निर्विवाद था और सदैव निर्विवाद रहेगा. इसके बावजूद असंवैधानिक प्रक्रिया से पूरा ढांचा बदल दिया गया।

क्या जम्मू-कश्मीर के लोगों की इच्छा को इस तरह से चुप कराया जा सकता है? पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर में कोई प्रतिनिधि लोकतंत्र नहीं है, लोकतंत्र को बहाल करने की आड़ में हमने लोकतंत्र को नष्ट कर दिया । कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर राज्य ऐतिहासिक रूप से संघ में एकीकृत रियासतों के विपरीत एक अद्वितीय संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। क्या दो संप्रभुओं के बीच उस अनूठे रिश्ते को इस तरह से खत्म किया जा सकता है? सत्ता में मौजूद पार्टियों में से एक के हटने के बाद राज्यपाल ने जून 2018 से जम्मू-कश्मीर विधानसभा को निलंबित रखा। यह देखने का मौका ही नहीं दिया कि नई सरकार बन सकती है या नहीं। सीओआई अपने आप में एक पोल दस्तावेज़ है, जो समाज में रहने वाले लोगों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखता है।

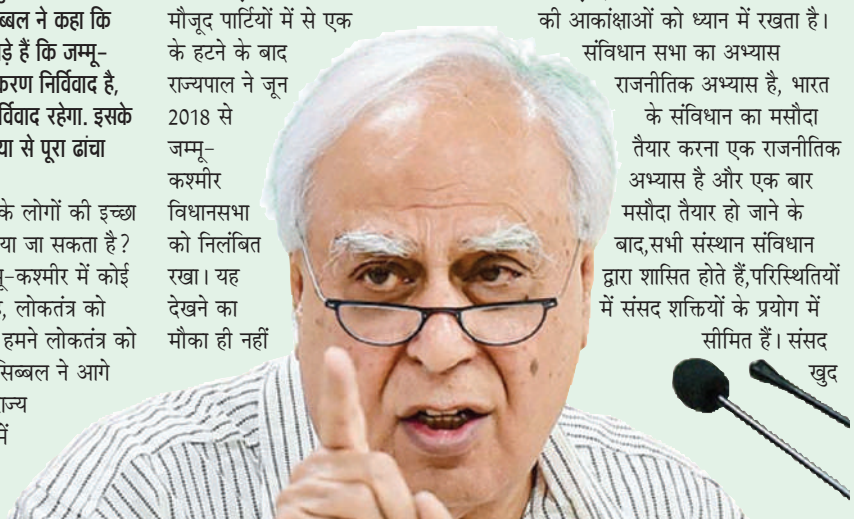

संविधान सभा का अभ्यास राजनीतिक अभ्यास है, भारत के संविधान का मसौदा तैयार करना एक राजनीतिक अभ्यास है और एक बार मसौदा तैयार हो जाने के बाद,सभी संस्थान संविधान द्वारा शासित होते हैं,परिस्थितियों में संसद शक्तियों के प्रयोग में सीमित हैं। संसद खुद तो संविधान सभा में परिवर्तित नहीं कर सकता, आज संसद प्रस्ताव द्वारा यह नहीं कह सकती कि हम संविधान सभा हैं, वे ऐसा कोई कानून पारित नहीं कर सकते जो सूची से बाहर हो. कानून के किस प्रावधान के तहत विधायिका को खत्म किया गया।

अनुच्छेद 370 मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर मे अनुच्छेद 370 हटाए जाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की संविधान पीठ सुनवाई कर रही है। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता मे पांच सदस्यीय संविधान पीठ में जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस सूर्यकांत सुनवाई कर रहे हैं।

कोलकाता पहुंची राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल के कोलकाता में हाल ही एक महिला के साथ हमले व छेड़छाड़ का मामला सामने आया था, जिसमें कुछ लोगों ने पीड़िता को निर्वस्त्र घुमाया था। इस मामले की जांच करने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा अपनी टीम के साथ कोलकाता पहुंची हैं।

» महिला को निर्वस्त्र घुमाने के मामले की जांच करेगी

टीम की योजना मालदा जाने और संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर इस घटना के संबंध में उनके निष्कर्षों पर विचार करने की है। एनसीडब्ल्यू ने ट्वीट में कहा,एनसीडब्ल्यू की टीम अध्यक्ष रेखा शर्मा के साथ कोलकाता में है और राजनीतिक गुंडों द्वारा एक महिला के साथ क्रूरतापूर्वक मारपीट, छेड़छाड़ और निर्वस्त्र परेड कराने के भयावह मामले की जांच के लिए हावड़ा जा रही हैं। ट्वीट में कहा गया, इसके बाद मालदा के लिए प्रस्थान किया जाएगा। एनसीडब्ल्यू की टीम सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बातचीत के बाद अपने निष्कर्षों को ध्यान में रखेगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उपचारात्मक उपायों की सिफारिश करेगी।

फोटो: सुमित कुमार

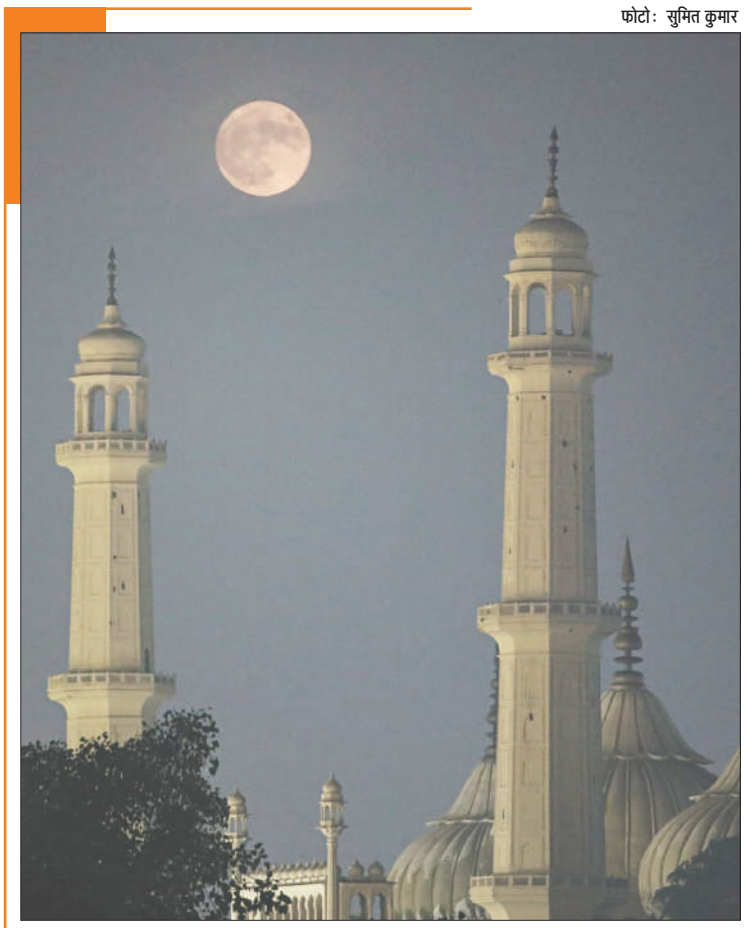

सुपर मून अंतरिक्ष में कभी-कभी कई अद्भुत और खूबसूरत घटनाएं होती हैं। जिनका हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। ऐसा ही सुपर मून की एक खगोलीय घटना पहली अगस्त को राजधानी लखनऊ में देखने को मिली।

गहलोत को हाईकोर्ट से राहत नहीं

केंद्रीय मंत्री शेखावत के मानहानि मामले में कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दायर मानहानि मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अदालत से राहत नहीं मिली है। राउज एवेन्यू सत्र अदालत ने मजिस्ट्रेट की अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है, लेकिन गहलोत को वर्चुअल तरीके से पेश होने की अनुमति दे दी है।

संजीवनी घोटाले में गहलोत ने शेखावत का नाम लिया था, जिसके बाद केंद्रीय मंत्री ने यह मामला दर्ज कराया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से इस मामले में समन जारी करने और कार्यवाही जारी रखने के खिलाफ गहलोत ने सोमवार को सत्र अदालत में याचिका दायर की थी। मंगलवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एमके नागपाल ने कहा कि शिकायत मामले की कार्यवाही पर रोक लगाने का कोई कारण नजर नहीं आता है। उन्होंने यह भी कहा कि 7 अगस्त की सुनवाई पर गहलोत को कोर्ट में मौजूद होने पर जोर नहीं देना चाहिए।

पॉक्सो केस में बृजभूषण शरण सिंह को राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालत ने कथित यौन उत्पीड़न के मामले में भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पॉक्सो मामले को रद्द करने की दिल्ली पुलिस की सिफारिश को स्वीकार किया जाए या नहीं इस मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

नाबालिग का बयान दर्ज करने के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। इसका फैसला 6 सितंबर को सुनाया जाएगा। पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम का मामला एक नाबालिग पहलवान और उसके पिता की अब वापस ली गई शिकायत पर आधारित है। 15 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक सिंह के खिलाफ पॉस्को अधिनियम के तहत दर्ज मामले में कोई पुष्टि करने वाला सबूत नहीं मिला। अदालत में दायर की गई पुलिस की 552 पन्नों की रद्दीकरण रिपोर्ट में एक नाबालिग पहलवान, उसके पिता, सिंह और अन्य गवाहों के बयानों का हवाला दिया गया है। रद्दीकरण रिपोर्ट उन मामलों में दायर की जाती है जब कोई पुष्टिकारक साक्ष्य नहीं मिलता है।

टीम इंडिया का वनडे सीरीज पर कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को वनडे सीरीज के तीसरे और आखिरी मुकाबले में 200 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज पर 2-1 से कब्जा कर लिया, टीम इंडिया की यह जीत बेहद खास रही। भारत ने इसमें एक अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम इंडिया के इस मैच के प्रदर्शन को देखकर 2018 की याद आ गई, भारत ने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी वनडे जीत दर्ज की थी। त्रिनिदाद में खेले गए हाल के मुकाबले में भारत की रनों के लिहाज से वेस्टइंडीज पर दूसरी सबसे बड़ी वनडे जीत रही।

टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज पर रनों के लिहाज से अब तक की सबसे बड़ी जीत 2018 में दर्ज की थी। भारत ने मुंबई में खेले गए इस मैच में 224 रनों से जीत हासिल की थी। इस मैच में रोहित शर्मा और अंबाती रायुडू ने शानदार शतक लगाए थे। रोहित ने 137 गेंदों का सामना करते हुए 162 रन बनाए थे। रायुडू ने 81 गेंदों का सामना करते हुए 100 रन बनाए थे। भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 377 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 153 रनों के स्कोर पर सिमट गई थी। इस तरह टीम इंडिया ने 224 रनों से मैच जीत लिया था। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने 200 रनों से जीत की। यह रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत रही। टीम ने वेस्टइंडीज को 2007 में 160 रनों से हराया था। वडोदरा में खेले गए मुकाबले में उसकी यह तीसरी सबसे बड़ी जीत थी।

» आखिरी वनडे में वेस्टइंडीज को 200 रनों से रौंदा

वहीं 2011 में इंदौर वनडे में 153 रनों से जीत हासिल की थी। भारत की वेस्टइंडीज पर रनों के लिहाज से यह चौथी सबसे बड़ी जीत थी। बता दें कि भारत ने वेस्टइंडीज को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से हराया था। इसके बाद वनडे सीरीज में 2-1 से जीत दर्ज की। अब पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 3 अगस्त को त्रिनिदाद में खेला जाएगा।

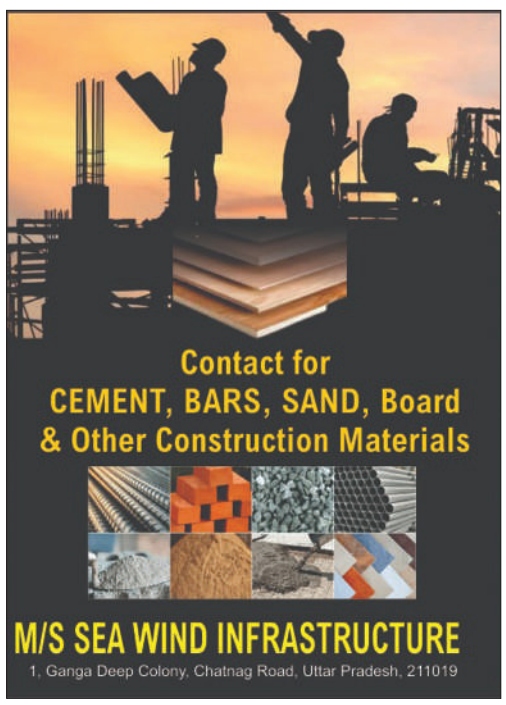

फोटो: सुमित कुमार

जलभराव बुधवार सुबह से हुई जोरदार बारिश से जलभराव के बाद जाम के झाम से शहरवासियों को परेशान होना पड़ा। बारिश के बाद लखनऊ के टीले वाली मस्जिद, मेडिकल कॉलेज से लेकर हुसैनगंज, चारबाग, हजरतगंज समेत कई जगहों पर भीषण जाम लगा रहा। जाम में फंसी एंबुलेंस को भी नहीं मिल रहा था रास्ता। अधिकतर जाम वाली जगहों से पुलिस और ट्रैफिक पुलिस नदारद रही।

मणिपुर मुद्दे पर राष्ट्रपति मुर्मू से मिले विपक्षी सांसद, सौंपा ज्ञापन

» महामहिम से की पीएम के सदन में बोलने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने मणिपुर के हालात के बारे में राष्ट्रपति को जानकारी दी और मणिपुर मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम संसद में चर्चा करना चाहते हैं लेकिन सरकार जवाब नहीं दे रही है।

खरगे ने कहा कि राष्ट्रपति जी से हम मिले और जो घटना मणिपुर में घट रही है उस पर बातचीत हुई। इंडिया के तमाम सांसदों ने राष्ट्रपति से मुलाकात की और मणिपुर को लेकर उन्हें जानकारी दी। इस दौरान खरगे ने फिर दोहराया कि उन्हें संसद में बोलने से रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेरे माइक को बंद कर दिया जाता है। मुझे नहीं पता मैं जब उठता हूं दो सेकेंड मे ही मेरा माइक बंद कर देते हैं।

विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रपति को सौंपे ज्ञापन में लिखा कि हम विनती करते हैं कि राज्य में बिना किसी देरी के शांति और सद्भाव स्थापित करने के लिए आपको तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। केंद्र और राज्य सरकार को अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए प्रभावित समुदाय को न्याय दिया जाए। विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रपति से मांग की कि वह प्रधानमंत्री को मणिपुर मुद्दे पर सदन में बोलने के लिए कहें ताकि इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हो सके।

सरकार नहीं चाहती मणिपुर पर चर्चा

मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा कि चेयरमैन ने आश्वासन दिया कि जितना महत्व रूलिंग पार्टी को देते हैं उतना ही विपक्ष को भी देते हैं। लेकिन पता नहीं क्यों मुझे बोलने नहीं दिया जाता है। मेरा माइक बंद कर दिया जाता है। सरकार नहीं चाहती है कि मणिपुर पर चर्चा हो। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मणिपुर जाना चाहिए था।

मोदी सरकार ने मणिपुर में संवैधानिक जिम्मेदारी का इंजन बंद कर चाबी फेंक दी: चिदंबरम

» कांग्रेस नेता ने मांगा सीएम बीरेन सिंह का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष लगातार मणिपुर मामले को लेकर केंद्र सरकार पर हमलावर है। इस बीच पूर्व वित्त मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने भी मणिपुर हिंसा को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। चिदंबरम ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने हिंसा प्रभावित मणिपुर के मामले में संवैधानिक जिम्मेदारी का इंजन बंद करके चाबी फेंक दी है।

मणिपुर हिंसा मामले में विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर राज्य सरकार के खिलाफ कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है। चिदंबरम की यह टिप्पणी मणिपुर मामले पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें कोर्ट ने कहा है कि मणिपुर में कानून व्यवस्था और संवैधानिक मशीनरी पूरी तरह से तबाह है। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मणिपुर सरकार पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को दिल्ली में पीएमओ और इंफाल में सीएमओ तक पहुंचने में कितना समय लगेगा? अगर मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह में कोई भी संवैधानिक नैतिकता है तो उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए। जो राजधर्म निभाते हैं, वही राजधर्म पर भाषण दे सकते हैं।

विपक्ष कर रहा राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

चिदंबरम ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने संवैधानिक जिम्मेदारी (अनुच्छेद 355 और 356) का इंजन बंद करके चाबी फेंक दी है। बता दें कि अनुच्छेद 355 के तहत बाहरी आक्रमण और आंतरिक गड़बड़ी की स्थिति में राज्य की सुरक्षा के लिए कदम उठा सकती है। वहीं अनुच्छेद 356 के तहत राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है। विपक्ष मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहा है। मणिपुर में बीती 3 मई से जातीय हिंसा जारी है, जिसमें अभी तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

आर्ट डायरेक्टर नितिन देसाई ने की आत्महत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बॉलीवुड और मराठी सिनेमा के जाने-माने आर्ट डायरेक्टर नितिन देसाई ने बुधवार की सुबह 4 बजे के करीब खुदकुशी कर ली। रिपोर्ट्स की मानें तो 58 साल के नितिन देसाई ने करजत के एनडी स्टूडियो में फांसी लगाकर आत्महत्या जैसा कदम उठाया। नितिन देसाई ने हिंदी सिनेमा के कई बड़े डायरेक्टर्स की फिल्मों के सेट डिजाइन किये हैं।

खालापुर पुलिस इस मामले की छानबीन कर रही है। इस मामले पर बात करते हुए महाराष्ट्र के एमएलए महेश बाल्दी ने बताया कि नितिन देसाई पिछले काफी समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। समाचार एजेंसी एएनआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर रायगढ़ के एसपी का बयान शेयर किया। रायगढ़ एसपी ने कहा,आर्ट डायरेक्टर नितिन देसाई का शव हमें करजत में स्टूडियो में लटका मिला था। सेट पर काम करने वाले वर्कर ने हमें उनके निधन की जानकारी दी थी। जब पुलिस की टीम स्टूडियो में पहुंची तो, हमें उनका शरीर लटका हुआ मिला। हम इस मामले में सभी पहलुओं का पता लगाने के लिए मामले की आगे जांच कर रहे हैं।

बजरंग दल और वीएचपी की रैलियों का मामला पहुंचा एससी

» रैलियों पर रोक नहीं पर नजर रखे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नूंह हिंसा के बाद बजरंग दल और वीएचपी की रैलियों का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने दिल्ली-एनसीआर में रैलियों पर रोक लगाने की मांग चीफ जस्टिस के सामने रखी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, हरियाणा और यूपी को नोटिस भेजा है। चीफ जस्टिस ने वकील से पूछा, आपकी मांग क्या है?

सीयू सिंह ने बताया कि पहले भड़काऊ कार्यक्रमों पर रोक का आदेश दिया जा चुका है, आज दिल्ली में 23 कार्यक्रम होने जा रहे हैं और इन पर रोक की मांग की। बुधवार को वरिष्ठ वकील सीयू सिंह ने पहले जस्टिस अनिरुद्ध बोस की कोर्ट में लंबित एक रिट याचिका में इंटरलोक्युटरी एप्लीकेशन (आईए) दिया था। उन्होंने कोर्ट को बताया कि नूह हिंसा के विरोध में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 27 जगहों पर मार्च का ऐलान किया गया है और इस पर रोक लगाने की मांग की। जस्टिस बोस ने सिंह से पुष्टि करने के लिए कहा कि क्या उनके पास आईए को सूचीबद्ध करने के लिए उल्लेख सुनने का अधिकार है। इसके बाद, सीयू सिंह प्रधान न्यायाधीश की पीठ के समक्ष उपस्थित हुए, हालांकि, तब चीफ जस्टिस ने मामले में सीधे सुनवाई से इनकार कर दिया था और कहा कि तय प्रक्रिया के मुताबिक रजिस्ट्री को ईमेल भेजें. इसके बाद सुनवाई पर विचार किया जाएगा।

तीन राज्यों को नोटिस

कोर्ट से इन कार्यक्रमों के बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि इन्हें प्रदर्शन कहा जा रहा है, कुछ सुबह हो चुके हैं, कुछ बाकी हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी, हरियाणा और दिल्ली को नोटिस जारी करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा है कि इन कार्यक्रमों में भड़काऊ भाषण न हों और उन कार्यक्रमों के चलते हिंसा न फैले। मामले में शुक्रवार (4 अगस्त) को अगली सुनवाई होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।